एक नजर में

शातिर वाहन चोर नाबालिक साथी सहित पुलिस गिरफ्त में

इंदौर. शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने एक बड़े अभियुक्त को नाबालिक साथी के साथ गिरफ्तार किया. आरोपियों से दो महंगी आर 15 मोटरसाइकिलें और एक खतरनाक धारदार चाकू बरामद किया. पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है. मुख्य आरोपी कुलदीप मेर और उसका नाबालिक साथी ऑर्डर पर मोटरसाइकिलें चोरी कर ग्रामीण इलाकों में बेचते थे. सहायक पुलिस आयुक्त परदेशीपुरा, श्रीमती हिमानी मिश्रा ने बताया कि गठित विशेष टीम को अयोध्यापुरी कॉलोनी के खाली मैदान में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली. मौके पर पहुंचकर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को धर दबोचा. तलाशी के दौरान मुख्य आरोपी के पास से धारदार चाकू भी बरामद हुआ. पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वाहन चोरी के लिए उन्हें विशेष मॉडल के आदेश मिलते थे और चोरी की गई मोटरसाइकिलें राघवगढ़ और गुना जिलों में बेच दी जाती थीं. पुलिस आरोपियों से और पूछताछ कर अन्य संभावित मामलों की जानकारी जुटा रही है.

जनभागीदारी निधि में करोड़ों का गड़बड़ी का आरोप

इंदौर. होल्कर साइंस कॉलेज की जनभागीदारी निधि में करोड़ों रुपए के दुरुपयोग का सनसनीखेज आरोप सामने आया है. पारसी मोहल्ला निवासी घनश्याम व्यास ने आरोप लगाया है कि कॉलेज की प्राचार्य और अकाउंटेंट ने नियमों की अवहेलना कर निधि का इस्तेमाल निजी लाभ और परिजनों को फायदा पहुंचाने के लिए किया. शिकायत में बताया गया कि लगभग 300 श्रमिकों की नियुक्ति बिना प्रक्रिया और समिति की अनुमति के की गई और उन्हें भुगतान जनभागीदारी निधि से किया. आरोप है कि यह सब प्राचार्य अनामिका जैन और अकाउंटेंट यतीन बावले की मिलीभगत से हो रहा है. शिकायत में इसे अमानत में खयानत और दंडनीय अपराध बताया गया है और उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है. वहीं मामले में प्राचार्य अनामिका जैन ने इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह आरोप मेरी नियुक्ति से पहले के मामलों से संबंधित हैं, और मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है.

बैंकर ऑफ द ईयर प्रतियोगिता का समापन

इंदौर. श्री वैष्णव इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस में बैंकिंग क्षेत्र पर आधारित बैंकर ऑफ द ईयर प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ. प्रतियोगिता से पूर्व विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी, जिसमें उन्हें बैंकिंग क्षेत्र का व्यावहारिक ज्ञान और कौशल सिखाया. फाइनल राउंड में सात टीमों ने प्रतिस्पर्धा की, निर्णायक मंडल में सुश्री श्रुति गजरे एसीपी, एक्सिस बैंक और सीए रोमा कृपलानी दूहॉम फाइनेंस शामिल थीं. दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों को कौशल विकास और सतत अध्ययन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वास्तविक जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की प्रेरणा दी. संस्थान के निदेशक डॉ. जॉर्ज थॉमस ने स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को प्लेसमेंट और उद्योग की मांग के अनुरूप तैयारी की सलाह दी. प्रतियोगिता में विजेता रही लीशा पहाड़िया और प्रियांशी मंगल, जबकि उपविजेता स्थान आकांक्षा मिश्रा और नलिनी गुप्ता को मिला. सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया. मंच का संचालन डॉ. नीतिका आसवा ने किया, कार्यशाला के रिसोर्स पर्सन थे डॉ. उत्तम राव जागताप, और आभार सुश्री शिल्पी श्रीवास्तव ने माना. समारोह में विभागाध्यक्ष डॉ. दीपा कटियाल, डॉ. मंदीप गिल एवं प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे.

छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

इंदौर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म उत्सव के उपलक्ष्य में रिजर्व इंदौर एमपीपी संगठन द्वारा चिल्ड्रन सिक्योरिटी ग्रुप के उद्देश्य से आयोजित संकल्प सुरक्षा सप्ताह का समापन स्वामी विवेकानंद विद्यालय में हुआ. 17 से 24 सितंबर तक चले इस अभियान में इंदौर और उज्जैन के लगभग एक लाख छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, चाइल्ड सेफ्टी, साइबर क्राइम, नशा मुक्ति, यातायात जागरूकता, करियर काउंसलिंग और स्टूडेंट पुलिस कैडेट जैसे विषयों पर जागरूक किया. कार्यक्रम का शुभारंभ सांदीपनि मल्हार आश्रम स्कूल से हुआ था. सप्ताहभर चले आयोजनों में शहर के प्रमुख स्कूलों श्री क्लॉथ मार्केट वैष्णो स्कूल, साईं बाबा स्कूल, हंप्टी-डंप्टी स्कूल, प्रगति स्कूल, गुजराती स्कूल, प्रेसिडेंट स्कूल, द उपनिषद स्कूल, महू किड्स कॉलेज आदि को शामिल किया. इंटर-स्कूल प्रतियोगिताओं के जरिए बच्चों को ट्रैफिक नियमों, नशामुक्त समाज और सुरक्षित नागरिक बनने की प्रेरणा दी गई. समापन समारोह में पुलिस विभाग और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति ने छात्रों का उत्साह बढ़ाया. इसमें रेलवे पुलिस से एडिशनल एसपी मनीष पाठक, पुलिस कमिश्नरेट मुख्यालय से एडिशनल डीसीपी सीमा अलावा, यातायात विभाग से एडिशनल डीसीपी संतोष कुमार, पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया, और विद्यालय प्राचार्य मनोज खोपकर मौजूद रहे. इस अवसर पर चित्रकला, स्लोगन, कविता, गीत और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए. साथ ही अभियान से जुड़े सौ से अधिक वारियर स्टूडेंट्स को भी सम्मानित किया, जिन्होंने नवरात्रि में यातायात व्यवस्था में पुलिस विभाग को सहयोग देने की जिम्मेदारी निभाई.

दुकान में धारदार कैंची से हमला

इंदौर. परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में देर रात एक दुकान पर विवाद के बाद हमलावर ने युवक के गले पर कैंची से प्रहार कर दिया; घायल ने जान से मारने की धमकी भी मिलने की बात बताई. घटना की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. घटना के बारे में घायल सूरज ने बताया कि वह देर की रात लगभग 8 बजे अपनी दुकान पर काम कर रहा था. तभी गली नंबर 3, गोमा की फेल का रहने वाला मोनू अजमेरा उर्फ %भूरा% दुकान पर आया और उधारी न देने को लेकर बहस शुरू कर दी. दोनों के बीच नोकझोंक बढ़ी तो आरोपी ने गाली-गलौज करनी शुरू कर दी. सूरज ने बहस बंद करने का अनुरोध किया तो आरोपी ने पास रखी कैंची उठाकर उसके बाएँ गर्दन पर वार कर दिया. वार की वजह से गले से खून निकलने लगा और आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। आरोपी वहां से भागते हुए मृत्युदण्ड जैसी धमकी देते हुए चला गया. घायल ने तहरीर में बताया कि हमले के बाद उसे चोट आई और उसने कार्रवाई के लिए परदेशीपुरा थाने में शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने बताया कि मामला आपराधिक तफ्तीश के दायरे में रखा गया है और अज्ञात आरोपी मोनू के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच-पड़ताल की जा रही है. पड़ोसियों व घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ जारी है तथा सीसीटीवी व अन्य साक्ष्य भी खंगाले जा रहे हैं.

फोन पर भरोसा कर फंसा व्यापारी, 51 हजार की हुई ठगी

इंदौर. तिलकनगर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को मोबाइल पर झांसा देकर ठगों ने 51 हजार 200 रुपए हड़प लिए. फरियादी शैलेश चंदन, निवासी संविद नगर ने बताया कि दो अज्ञात मोबाइल नंबरों से संपर्क करने वालों ने खुद को परिचित बताकर विश्वास में लिया. ठगों ने अलग-अलग बहानों से रकम मंगवाई और अमानत में खयानत कर गायब हो गए. काफी समय बाद जब ठगी का एहसास हुआ तो पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी व अमानत में खयानत की धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

सीसीटीवी-डीवीआर तक चुराया, फिर भी पकड़ाया चोर

- विजय नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई
- 30 लाख के आभूषण बरामद

नव भारत न्यूज

इंदौर. विजय नगर पुलिस ने लगातार दूसरी बड़ी सफलता हासिल करते हुए 30 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर लिए हैं. चोर ने घर का लॉकर तोड़कर लाखों के जेवर उड़ाए, घटना के सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी कैमरे की डीवीआर भी चुरा ले गया था. बावजूद इसके पुलिस ने 15 दिनों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली और आरोपी को खंडवा से गिरफ्तार कर लिया.

पुलिस उपायुक्त जोन 2 कुमार प्रतीक ने बताया कि फरियादी जगदीश नामदेव निवासी विजय नगर ने रिपोर्ट में बताया था कि वे मां की तबीयत खराब होने के चलते 4 सितंबर को उड़ीसा चले गए थे. 20 सितंबर को लौटे तो मुख्य दरवाजे के तीनों ताले टूटे मिले और लॉकर से करीब 36 लाख रुपए के स्वर्ण-रजत आभूषण व 25 हजार रुपए नकद गायब थे. इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी. चोर ने वारदात को लेकर पुलिस के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी थी. वह घर पर लगे सीसीटीवी की डीवीआर भी साथ ले गया, जिससे चोरी की सटीक तारीख तक का पता नहीं था. पुलिस ने आसपास के कैमरों की 15 दिन की रिकॉर्डिंग खंगाली. सीमित स्टोरेज और तकनीकी दिक्कतों के बावजूद आरोपी की पहचान दीपक बसत निवासी खंडवा के रूप में हो गई. टीम ने खंडवा के खड़की गांव से आरोपी को दबोचा. पूछताछ में उसकी निशानदेही पर जमीन में गाड़कर और घास-फूस में छिपाकर रखे आभूषण बरामद हुए. इनमें सोने के हार, टॉप्स, पायजेब, मंगलसूत्र, अंगूठियां और चांदी के जेवर समेत करीब 250 ग्राम सोना व अन्य सामान मिला. चोरी में प्रयुक्त बाइक और औजार भी जब्त कर लिए.

नदी में फेंक दिए थे कपड़े व बैग

डीसीपी ने यह भी बतायाकि आरोपी ने डीवीआर, वारदात के समय पहने कपड़े और बैग नर्मदा नदी में फेंक दिए थे ताकि सबूत न मिल सकें. उसके खिलाफ पहले से चोरी, घरफोड़, मारपीट सहित 19 अपराध दर्ज हैं. अब उससे अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है.

युवती को स्कूटी से टक्कर मारने वाला आरोपी पकड़ाया

- हीरानगर पुलिस ने 24 घंटे में किया गिरफ्तार
- बना रहा था लिव-इन में रहने का दबाव

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर क्षेत्र में एक युवती को स्कूटी से टक्कर मारने वाले बदमाश को पुलिस ने महज 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया. आरोपी युवती पर लिव-इन में रहने का दबाव बना रहा था. मना करने पर उसने रास्ते में टक्कर मारकर उसे घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया था.

फरियादिया ने 24 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि सुखलिया निवासी बदमाश राजेंद्र चौरसिया उस पर साथ रहने का दबाव बना रहा था. विरोध करने पर उसने वारदात को अंजाम दिया. मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की. पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि आरोपी भानगढ़ इलाके में छिपा हुआ है. इस पर हीरानगर पुलिस ने घेराबंदी कर उसे धर दबोचा. आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में पहले से अवैध हथियार, छेड़छाड़, बलात्कार, मारपीट और अवैध शराब तस्करी जैसे कई अपराध दर्ज हैं.

सनसिटी गोलीकांड : एक गिरफ्तार, दो अब भी फरार

पकड़े गए आरोपी ने कहा – मुझे तो सिर्फ मिर्च झोंकने बुलाया था

नव भारत न्यूज

इंदौर. सनसिटी में भूमाफिया मनोज नागर पर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अब भी फरार हैं. गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया कि उसे तो सिर्फ आंख में मिर्च पाउडर झोंकने के लिए कहा था.

एडीसीपी अमरेन्द्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी अमन उर्फ पुष्पेंद्रसिंह केसरी, निवासी रघुवंशी कॉलोनी मांगलिया है, वह युवराज उर्फ राज बच्चा का साथी है. पूछताछ में अमन ने बताया कि युवराज उसे अपने साथ ले गया और कहा कि केवल मिर्च झोंकनी है. गोली चलाने या किसी और साजिश की जानकारी उससे छिपाई गई थी. फिलहाल मुख्य आरोपी विनय उर्फ सोनू राठौर और उसका साथी युवराज उर्फ राज बच्चा फरार हैं. वहीं सूत्रों का कहना है कि विनय ही इस गोलीकांड का मास्टरमाइंड है. लेन-देन के विवाद में उसने ही हमला करवाया था. विनय और युवराज की गिरफ्तारी के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि आखिर किस लेन-देन को लेकर गोली चलाई गई थी. फरार आरोपी विनय उर्फ सोनू राठौर, तपेश्वरी बाग, खजराना तथा युवराज उर्फ राज बच्चा, तपेश्वरी बाग, खजराना पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है.

एमवाय के डॉक्टरों की टीम ने बचाई युवक की जान

- फिनिक्स मॉल के पास हुए हादसे में घायल हुआ था युवक
- पेट और जांघ में घुस गए लोहे के सरिए

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमवाय में चिकित्सकों की टीम ने एक बार फिर साबित किया कि जज़्बा और विशेषज्ञता से असंभव भी संभव हो सकता है. फिनिक्स मॉल के पास काम करते समय हादसे का शिकार हुए 25 वर्षीय युवक के पेट और जांघ में तीन लोहे के सरिये आरपार घुस गए थे. हालत बेहद गंभीर थी, लेकिन डॉक्टरों की टीम ने जटिल सर्जरी कर उसकी जान बचा ली.

उत्तरप्रदेश के देवरिया निवासी नितेश जायसवाल बीते चार वर्षों से इंदौर में सेंटिंग का काम कर रहे हैं. बीते दोपहर वे रोज की तरह काम पर थे कि अचानक दूसरी मंज़िल से फिसलकर नीचे जा गिरे. वहां निर्माणाधीन सेप्टिक टैंक में निकले सरिये उसका पूरा शरीर में धस गया था, तीन सरिये पेट और जांघ में घुस गए थे, मौके पर मौजूद नितेश के जीजा ने हिम्मत दिखाते हुए रस्सी से नितेश को बांधा और सरिये काटकर 108 एम्बुलेंस की मदद से एमवाय पहुंचाया. अस्पताल में हालत देख डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन का निर्णय लिया. जांच में पता चला कि सरियों से बड़ी और छोटी आंत के साथ-साथ अंत:पेशियों में छेद हो गए थे. ऑपरेशन के दौरान करीब एक लीटर खून निकाला गया और फटी आंतों को सिलकर ठीक कर दिया. सरिये रीढ़ और कूल्हे की हड्डी तक आरपार पहुंच गए थे, उसका भी तत्काल इलाज कर दिया. लगभग पाँच घंटे चली इस जटिल सर्जरी में जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद शुक्ल के नेतृत्व में प्रोफेसर डॉ. सुदर्शन ओडिया सहित आठ सर्जनों की टीम जुटी. निश्चेतना और हड्डी रोग विभाग की टीमों ने भी अहम भूमिका निभाई.

आईसीयू से सामान्य वार्ड में किया शिफ्ट

पाँच दिन आईसीयू में गहन निगरानी के बाद अब नितेश सामान्य वार्ड में हैं और दो-तीन दिन में उन्हें छुट्टी दी जाएगी. विशेष बात यह रही कि यह ऑपरेशन एमवाय अस्पताल में नि:शुल्क हुआ. प्राइवेट अस्पताल में इसका खर्च चार से पाँच लाख रुपए तक होता है. डॉक्टरों की तत्परता और दक्षता ने न केवल एक युवक की जान बचाई, बल्कि यह भी साबित किया कि सरकारी अस्पताल आज भी जीवन रक्षक सेवाओं का सबसे भरोसेमंद केंद्र है.

इंस्टाग्राम पर की दोस्ती, फिर दुष्कर्म कर धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

तिलक नगर पुलिस ने खलघाट से ट्रांसफर हुए केस में शुरू की जांच

इंदौर. ऑनलाइन दोस्ती का अंजाम एक युवती के लिए खौफनाक साबित हुआ. तिलक नगर पुलिस थाने में दर्ज मामले के अनुसार, कुक्षी निवासी युवक ने 19 वर्षीय छात्रा से इंस्टाग्राम पर दोस्ती की और फिर इंदौर बुलाकर उसके साथ जबरन संबंध बनाए. इतना ही नहीं, उस पर धर्म बदलने का दबाव डालते हुए शादी का झांसा भी दिया.

पीड़िता मूल रूप से कुक्षी की रहने वाली है और फिलहाल इंदौर के सुदामा नगर में रहकर पढ़ाई कर रही है. इंस्टाग्राम पर उसकी पहचान आरोपी सफान कुरैशी निवासी मस्जिद के पास, कुक्षी से हुई थी. आरोप है कि 25 सितंबर को सफान इंदौर आया और युवती को सी-21 मॉल बुलाया. वहां से वह उसे तिलक नगर क्षेत्र के एक होटल ले गया और जबरन शारीरिक संबंध बनाए. पीड़िता ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उस पर कहा शादी करनी है तो पहले मुस्लिम धर्म अपनाना होगा. सफान उसे महाराष्ट्र ले जाने की फिराक में था. रास्ते में उसके रिश्तेदार भी मिले और उन्होंने जबरन एक वीडियो रिकॉर्ड कराया, जिसमें युवती को कहना पड़ा कि वह अपनी मर्जी से सफान के साथ है. खलघाट के पास कसरावद फाटे पर युवती के परिजन और समाजजन पहुंचे तो सफान और उसके साथी युवती को वहीं छोड़कर भाग निकले. पीड़िता को परिजन थाने ले गए और प्रकरण दर्ज कराया. खलघाट पुलिस ने सफान और उसके रिश्तेदारों पर रेप और धर्म परिवर्तन के लिए धमकाने सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया. आगे की जांच के लिए केस तिलक नगर पुलिस को ट्रांसफर कर दिया किया है. पुलिस अब आरोपी और उसके रिश्तेदारों की तलाश में जुटी है.

शादी से मुकरा प्रेमी, युवती ने दे दी जान

इंदौर. भंवरकुआं क्षेत्र में युवती की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. पुलिस जांच में सामने आया कि प्रेमी ने शादी का वादा करके बाद में मुकर गया था, जिससे आहत होकर युवती ने आत्महत्या कर ली. पुलिस ने आरोपी प्रेमी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. एसआई धर्मवीर सिंह चौहान ने बताया कि आरती पिता गुलाब शर्मा, निवासी भंवरकुआं ने 28 अप्रैल को फांसी लगाकर जान दे दी थी. पुलिस को मौके से युवती का आईफोन मिला था, उसकी जांच में इंस्टाग्राम चैटिंग और कॉल रिकॉर्डिंग से चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. उन्होंने बताया कि 24 अप्रैल को आरती और उसके प्रेमी प्रशांत पिता मोहन चंद्र तिवारी, निवासी बद्रीपुरा, हल्द्वानी, उत्तराखंड के बीच बहस हुई थी. चैटिंग में प्रशांत ने आरती से कहा था कि उसका सिर्फ इस्तेमाल किया है. इसके बाद फोन पर भी विवाद हुआ. जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि प्रशांत ने आरती से शादी का वादा किया था, लेकिन बाद में इंकार कर दिया. आरती के पिता और परिजनों ने भी पुलिस को यही तथ्य बताए. सभी सबूतों और बयानों के आधार पर पुलिस ने प्रशांत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध दर्ज किया है. फिलहाल मामले की आगे की जांच जारी है.

जहर खाने वाले चालक की पुलिस ने बचाई जान

इंदौर. नवलखा चौराहे पर यातायात व्यवस्था में तैनात पुलिसकर्मियों ने इंसानियत का बेहतरीन उदाहरण पेश किया. पुलिसकर्मियों ने जहर खाने वाले चालक की जान बचाई.

ड्यूटी संभालते समय पुलिसकर्मियों को एक लोडिंग वाहन खड़ा नजर आया, जो लंबे समय तक आगे नहीं बढ़ा. जब यातायात उपनिरीक्षक संत बहादुर और उनकी टीम पास पहुंचे तो चालक ने खुद ही कह दिया मैंने सल्फास खा ली है, मुझे बचा लो. स्थिति की गंभीरता देखते हुए उपनिरीक्षक संत बहादुर ने आरक्षक सुरेंद्र सिंह गुर्जर, महिला आरक्षक ज्योति, भूली रडार और आरक्षक शैलेन्द्र त्यागी की मदद से चालक को फौरन पुलिस वेन में बैठाया और सीधे एमवाय अस्पताल पहुंचाया. समय पर दी गई मदद से उसकी जान बच सकी. मामले की जानकारी संबंधित थाने को दी गई है. पुलिस ने चालक के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है.

नो एंट्री में भारी वाहनों की धरपकड़, 40 चालकों पर कार्रवाई

इंदौर. शहर में यातायात सुगमता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस प्रशासन लगातार सख्त रवैये पर है. वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा-निर्देशन में नो एंट्री मार्गों पर भारी वाहनों की निगरानी तेज कर दी गई है. आज पुलिस ने नियमों का उल्लंघन कर नो एंट्री में प्रवेश करने वाले 40 भारी वाहनों के चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की. अधिकारियों ने सभी चालकों को चेतावनी दी कि भविष्य में नियमों की अवहेलना करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

बुलडोजर से नष्ट किए मॉडिफाइड साइलेंसर

इंदौर. पुलिस ने शहर में आवाज़ प्रदूषण और अवैध मॉडिफाई साइलेंसर के उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए पांच दर्जन से अधिक साइलेंसर नष्ट कर दिए. कनाडिया थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने बताया कि पुलिस ने इलाके में सक्रिय वाहन चालकों पर कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल पर लगे पटाखे वाले और मॉडिफाई साइलेंसर जब्त किए. गुरुवार को इन साइलेंसरों को बुलडोजर की मदद से नष्ट किया गया. पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वाहन में साइलेंसर या मॉडिफाई पार्ट्स का उपयोग न करें और नियमों का पालन कर शांति एवं सुरक्षा बनाए रखें.

परेशानी | मामला वार्ड 61 के चितावद क्षेत्र का

पेंशन बंद होने से बुजुर्ग हो रहे परेशान

इंदौर. केंद्र सरकार की कई योजनाओं में वृद्ध एवं विधवा पेंशन योजना लोगों के लिए लाभदायक रही लेकिन यहां भी अब धीरे-धीरे बंद होती नजर आ रही है. कई बुजुर्गों की पेंशन तो चालू ही नहीं हुई और कई हितग्राहियों की बंद कर दी गई.

पेंशन योजना से जुड़ा हुआ मामला वार्ड क्रमांक 61 से सामने आया है. नौलखा चौराहा से कुछ ही दूर नेमावर रोड पर वार्ड के चितावद में सरकारी स्कूल के आसपास रहने वाले कुछ बुजुर्गों से बातचीत की गई तो पता चला कि यहां पर एक नहीं कई बुजुर्ग एवं विधवा पेंशन लेने वाले हितग्राहियों की पेंशन बंद कर दी गई है. इनमें कुछ ऐसे बुजुर्ग भी मिले जिनकी पेंशन पिछले तीन से चार वर्षों से बंद है. अपनी पेंशन चालू करवाने के लिए जब बुजुर्ग हितग्राही झोन पर जाते हैं तो उन्हें बैंक पहुंचाया जाता है. बैंक कर्मचारियों द्वारा उनसे कई बार केवाईसी करवाई जाती है. फिर भी पेंशन चालू नहीं कीजाती है. बैंक अधिकारी उन्हें दोबारा झोन पर जाने की सलाह देते हैं पर यहां से वहां चक्कर लगाने के बाद बुजुर्ग दंपत्ति योजना का लाभ मिलने की आशा छोड़ देते हैं. इस तरह का यह पहला मामला नहीं है. शहर के अधिकतर वार्डों के क्षेत्र में पेंशन योजना का लाभ अब धीरे-धीरे बंद होता दिखाई दे रहा है. इस योजना के तहत जो राशि बुजुर्गों को मिलती थी, उससे उन्हें काफी राहत मिलती थी.

इनका कहना है...

मैं अपनी बेटी के यहां रहती हूं. मेरा जो भी खर्चा है वही उठाती है. ऐसे में पेंशन से मिलने वाली राशि से मुझे काफी राहत थी. अब थोड़ी परेशानी है.
- सावित्री बाई

मेरी उम्र अब ऐसी नहीं कि मैं भागदौड़ कर सकूं. कई बार चक्कर लगे लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला. जब सरकार देना ही नहीं चाहती, तो योजना क्यों गिनाती है.
- सुशीला बाई चौहान

क्षेत्र में कई ऐसे बुजुर्ग हैं जिनकी पेंशन बंद होने के बाद वह इधर-उधर भटकते हैं. इसके लिए सरकार को वार्ड स्तर पर प्रतिनिधि नियुक्त करना चाहिए. इससे सुविधा होगी.
- अनंत नारायण पंड्या